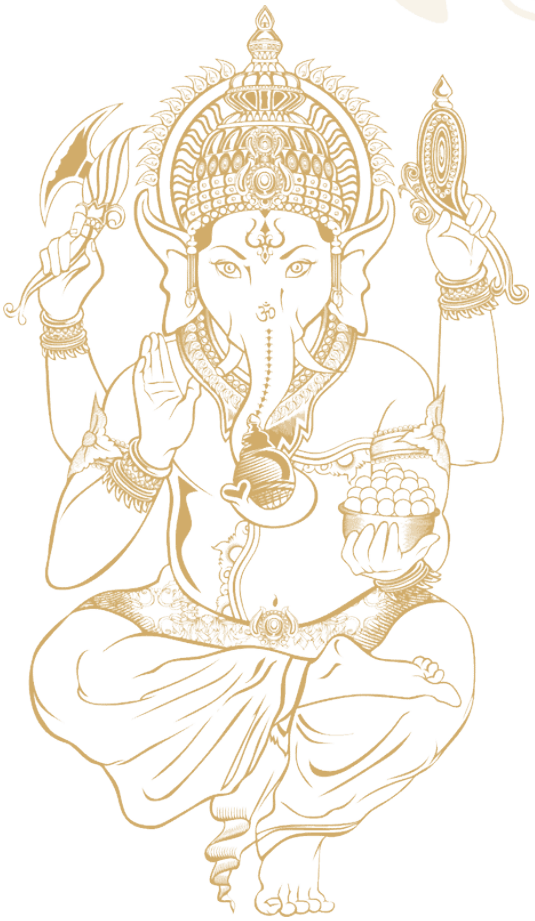

karan

neha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121380709

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 22/04/1988 | जन्म तिथि | 13/09/1992 |
| शुक्रवार | दिन | रविवार |
| घंटे 12:58:00 | जन्म समय | 13:15:00 घंटे |
| घटी 17:49:02 | जन्म समय(घटी) | 17:43:14 घटी |
| India | देश | India |
| Pathankot | स्थान | Pathankot |
| 32:16:00 उत्तर | अक्षांश | 32:16:00 उत्तर |
| 75:43:00 पूर्व | रेखांश | 75:43:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:27:08 | स्थानिक संस्कार | -00:27:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:50:23 | सूर्योदय | 06:09:42 |
| 19:01:26 | सूर्यास्त | 18:35:44 |
| 23:41:39 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:45:36 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| गुरु 15वर्ष 3मा 27दि | 22:32:57 | कर्क | लग्न | वृश्चि | 26:04:13 | शनि 8वर्ष 7मा 1दि |
| बुध | 08:41:37 | मेष | सूर्य | सिंह | 27:00:31 | शुक्र |
| 19/08/2022 | 20:33:46 | मिथु | चंद्र | मीन | 10:38:28 | 15/04/2025 |
| 19/08/2039 | 16:37:57 | मक | मंगल | मिथु | 06:50:56 | 15/04/2045 |
| बुध 15/01/2025 | 10:37:24 | मेष | बुध | सिंह | 25:21:43 | शुक्र 15/08/2028 |
| केतु 12/01/2026 | 16:26:34 | मेष | गुरु | कन्या | 00:22:56 | सूर्य 15/08/2029 |
| शुक्र 12/11/2028 | 22:53:56 | वृष | शुक्र | कन्या | 21:45:41 | चन्द्र 16/04/2031 |
| सूर्य 18/09/2029 | 08:45:21 | धनु व | शनि व | मक | 18:55:25 | मंगल 15/06/2032 |
| चन्द्र 18/02/2031 | 28:36:09 | कुंभ व | राहु व | धनु | 02:48:16 | राहु 16/06/2035 |
| मंगल 15/02/2032 | 28:36:09 | सिंह व | केतु व | मिथु | 02:48:16 | गुरु 14/02/2038 |
| राहु 03/09/2034 | 07:13:25 | धनु व | हर्ष व | धनु | 20:19:24 | शनि 15/04/2041 |
| गुरु 09/12/2036 | 16:28:06 | धनु व | नेप व | धनु | 22:28:39 | बुध 14/02/2044 |
| शनि 19/08/2039 | 17:45:16 | तुला व | प्लूटो | तुला | 26:56:16 | केतु 15/04/2045 |

**लग्न-चलित**

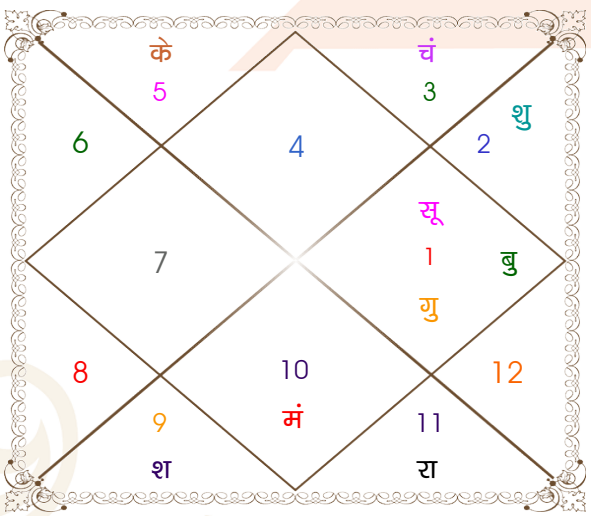


**लग्न-चलित**

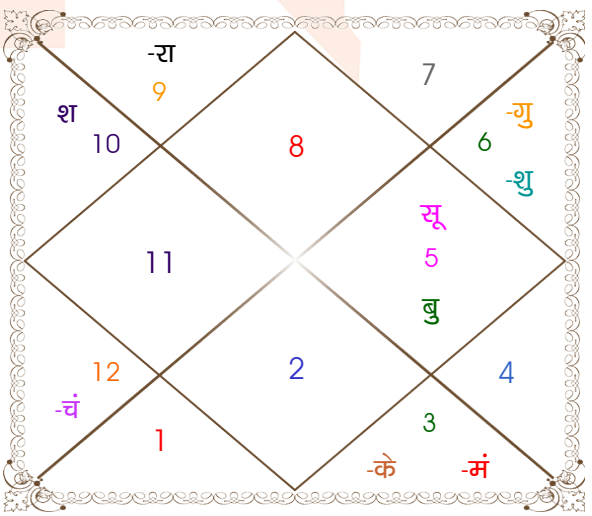

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | शूद्र | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | मार्जार | गौ | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | बुध | गुरु | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मिथुन | मीन | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 27.50 | | |

karan का वर्ग मार्जार है तथा neha का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार karan और neha का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

karan मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल karan कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल karan कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

neha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि neha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु karan कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि karan कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

karan तथा neha में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।